Your Roll No.

LL.B. / V Term

F

Paper LB-5037

ENVIRONMENTAL LAW

Time: 3 hours

Maximum Marks: 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note:— Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी:— इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any five questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. (a) U.N. Conference in Stockholm 1972 was a turning point in the international relations between various nations as it placed the issue of protection of biosphere on the official policy on environmental law. Discuss the scope of the statement from Stockholm to Rio and beyond.

P. T. O.

स्टॉकहोम का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, 1972 विभिन्न राष्ट्रों के बीच अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में संक्रान्तिकाल था क्योंकि इसने पर्यावरण विधि की अधिकारिक नीति पर जीवमंडल के संरक्षण के मुद्दे को स्थान दिया। स्टॉकहोम से लेकर रियो तक और उसके भी आगे इस कथन की परिव्याप्ति का विवेचन कीजिये।

(b) Explain the international measures taken to prevent global climate change.

भूमंडलीय जलवायु परिवर्तन के निवारण के लिये किये गये अन्तर्राष्ट्रीय उपायों को स्पष्ट कीजिए। 10

2. (a) What is the significance of intra-generational and inter-generational equity in the concept of sustainable development?

अविच्छिन विकास की संकल्पना में अंतःपीढ़ीय और अंतरपीढ़ीय साम्या की क्या सार्थकता है? 10

(b) "The uncertainty of the scientific proof and its changing frontiers from time to time has led to great changes in environmental concepts during the period between the Stockholm Conference of 1972 and the Rio Conference of 1992." Discuss in the light of decided cases.

"स्टॉकहोम सम्मेलन, 1972 और रियो सम्मेलन, 1992 के बीच की अवधि के दौरान पर्यावरणीय संकल्पनाओं में वैज्ञानिक सबूत और समय-समय पर इसके बदलते हुए सीमान्तों ने भारी परिवर्तन किया है।" विनिश्चित केसों को ध्यान में रखते हुए विवेचन कीजिए।

3. Change in the environment does not always result in ecological disaster or environmental degradation. Discuss in the light of decided cases.

, पर्यावरण में परिवर्तन के परिणाम से हमेशा परिवेशीय आपदा अथवा पर्यावरणीय निम्नीकरण नहीं होता है। विनिश्चित केसों को ध्यान में रखते हुए विवेचन कीजिए।

4. Directive Principles of State Policy under Articles 47 and 48-A are not only fundamental in the governance of the country but also it shall be the duty of the state to apply these principles in law making. Discuss with reference to the M.C. Mehta V. Union of India, AIR 2002 S.C. 1696.

अनुच्छेद 47 और 48-A के अन्तर्गत राज्य नीति के निदेशक तत्व देश के अधिशासन में न केवल मूल तत्व होते हैं बल्कि राज्य का यह कर्तव्य होगा कि वह इन तत्त्वों को विधि निर्माण में भी लागू करे। एम०सी० मेहता बनाम यूनियन ऑफ इंडिया, ए०आई०आर० 2002 एस०सी० 1696 के विशेष निर्देश सिहत विवेचन कीजिए।

5. (a) The Sub-divisional Magistrate, Delhi directed the municipal corporation under section 133 CrPC to abate the nuisance by ordering the municipality to construct drainpipes with flow of water to wash the fifth and stop the stench. Discuss the validity of the order.

दिल्ली के सब-डिवीजनल मजिस्ट्रेट ने गंदगी की धुलाई करने तथा दुर्गंध रोकने के लिए पानी का बहाव वाले ड्रेन- (b) "Enactment of Water Act and Air Act impliedly repealed Section 133 of the Code of Criminal Procedure, 1973." Comment.

"जल अधिनियम तथा वायु अधिनियम के अधिनियमन से दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 133 का निरसन हो गया।" टिप्पणी लिखिए।

6. "The shift from strict liability to absolute liability is the need of the hour. The law cannot remain static." In the light of above argument state the measure of liability of an enterprise which is engaged in an inherently dangerous or hazardous activity with the help of decided cases.

"कड़े दायित्व से आत्यंतिक दायित्व पर परिवर्तन समय की आवश्यकता है। विधि स्थैतिक बनी नहीं रह सकती।" उपर्युक्त दलील को ध्यान में रखते हुए उस उद्यम के दायित्व के उपायों का उल्लेख विनिश्चित केसों की सहायता से कीजिए जो अन्तर्भूततः खतरनाक तथा संकटप्रद क्रिया-कलाप में रत है। 20

7. (a) "Smoking in public places is violation of fundamental rights of the non-smokers". Support with cases.

"सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान धूम्रपान न करने वाले लोगों के मूल अधिकारों का उल्लंघन है।" केसों से पृष्टि कीजिए।

(b) Discuss the powers and jurisdiction of National Green Tribunal. Discuss the reasons behind the suggestions of the S.C. in various cases for establishing environmental courts.

राष्ट्रीय हरित अधिकरण की शक्तियों तथा अधिकारिता का विवेचन कीजिए। पर्यावरण न्यायालय स्थापित करने हेतु उच्चतम न्यायालय के विभिन्न केसों द्वारा दिए गए सुभाव के पीछे के कारणों का विवेचन कीजिए।

8. Attempt any four:

- (a) PIL should not be allowed to degenerate to become publicity interest litigation or private inquisitiveness litigation.
- (b) The notion that the public has a right to expect certain lands and natural areas to retain their natural characteristics.
- (c) When forest land is used for non-forest purposes, what measures are required to be taken to compensate for the loss of forest land and to compensate effect on ecology.
- (d) Limitations of Environment Protection Act, 1986.
- (e) Powers and functions of Central Government under Environment (Protection) Act, 1986.

آهـڪا'	संग	के	ਤਜ਼ਹੂ	दीजिए
(कान्हा	पार	qn.	उत्तर	जागर

- (a) पी०आई०एल० को प्रचार हित मुकदमा अथवा प्राइवेट समीक्षणीय मुकदमा बनाकर विकृत न किया जाए।5
- (b) यह धारणा िक लोगों को अपनी स्वभावगत विशेषताओं को बनाए रखने के लिए कतिपय भूमि और प्राकृतिक क्षेत्र चाहने का अधिकार है।
- (c) जब वन भूमि का प्रयोग वनेतर प्रयोजनों के लिए किया जाता है तब वनभूमि की हानि का प्रतिकर करने और पारिस्थितिकी पर पड़े प्रभाव का प्रतिकर करने के लिए किन उपायों को किए जाने की अपेक्षा है?
- (d) पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 की परिसीमाएँ। 5
- (e) पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार की शक्तियाँ तथा प्रकार्य।